

मुख्यमंत्री ने दिये 1320 मेगावाट के नए बजिली संयंत्र लगाने के नरिदेश

चर्चा में क्यों?

25 अगस्त, 2022 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश में 1320 मेगावाट के नए बजिली संयंत्र की स्थापना के नरिदेश दिये। राज्य स्थापना के बाद पहली बार इतनी क्षमता का वदियुत संयंत्र स्थापति कयिा जाएगा।

प्रमुख बदि

- यह छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी का सबसे बड़ा और सबसे आधुनिक संयंत्र होगा। इस संयंत्र की स्थापना से छत्तीसगढ़ स्टेट जनरेशन कंपनी की स्वयं की वदियुत उत्पादन क्षमता बढ़कर 4300 मेगावाट हो जाएगी।
- मुख्यमंत्री ने अपने नविस में पावर कंपनियों की समीक्षा बैठक में भवषिय में वदियुत की मांग की आपूर्ति के लयि आवश्यक वदियुत उपलब्धता की समीक्षा की। वर्ष 2030-31 तक अपेक्षति वदियुत मांग में वृद्धि की आपूर्ति हेतु नवीन वदियुत संयंत्र की आवश्यकता होगी।
- मुख्यमंत्री ने राज्य की वदियुत उत्पादन कंपनी को कोरबा पश्चिम में उपलब्ध भूमि पर 2x660 मेगावाट सुपर क्रटिकिल नवीन वदियुत उत्पादन संयंत्र की स्थापना हेतु समुचित काररवाई के नरिदेश दिये।
- वदियुत उत्पादन कंपनी के प्रबंध नदिशक एनके बजौरा ने बताया कयिह सुपर क्रटिकिल संयंत्र अत्याधुनिक तकनीक से स्थापति कयिा जाएगा। इससे एक ओर बजिली की उपलब्धता सुनिश्चति होगी, वहीं रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।
- उन्होंने बताया कयि कोरबा पश्चिम में संयंत्र स्थापना हेतु स्वयं की भूमि उपलब्ध है। साथ ही, अपेक्षति परयोजना स्थल पर कोयले की उपलब्धता सुनिश्चति करने के लयि वर्तमान चलति उत्पादन संयंत्रों हेतु कन्वेयर बेल्ट की सुवधि भी उपलब्ध है।
- कन्वेयर बेल्ट से कोयला उपलब्धता, स्वयं की भूमि उपलब्धता तथा सुपर क्रटिकिल प्लांट होने के कारण नवीन प्रस्तावति प्लांट से उत्पादति वदियुत की दर सस्ती होना अपेक्षति है। नवीन उत्पादन संयंत्र की स्थापना से स्थानीय रोजगार का विकास भी संभव होगा।
- मुख्यमंत्री के नरिदेश उपरांत संयंत्र स्थापना के लयि आवश्यक स्वीकृतियाँ, कोयला आबंटन, जल आबंटन सहति वसित्तु डी.पी.आर. इत्यादि तैयार करने का कार्य वदियुत उत्पादन कंपनी द्वारा त्वरति गति से कयिा जाएगा, जसिसे वर्ष 2030-31 तक अपेक्षति वदियुत आपूर्ति संभव हो सके।